an>

Title: Regarding plight of potato growers in the country.

श्री बाबूलाल चौधरी (फतेहपुर सीकरी) : महोदया, आज आलू का किसान सबसे ज्यादा परेशान है। आगरा मंडल में आलू का सबसे ज्यादा उत्पादन होता है। बड़े आलू की कीमत आज तीन सौ-चार सौ रुपए प्रति क्विंटल के करीब है। सबसे छोटे आलू को कोल्ड स्टोरेज वाले उसे खरीद नहीं रहे हैं और किसानों को छोटे आलू फैंकने पड़ रहे हैं। गुल्लाह बीज सवा सौ रुपए प्रति क्विंटल बिक रहा है। किसान बहुत ज्यादा परेशान हैं। किसानों द्वारा जो आलू फेंका जा रहा है, उसे उद्योगपति चिप्स बनाकर काजू, बादाम से भी ज्यादा महंगा बेच रहे हैं। चिप्स का दस ग्राम का पैकेट 20 रुपए में बिकता है। तकरीबन एक हजार रुपए किलो उस चिप्स की कीमत पड़ती है। पूरे देश का किसान, खास कर यूपी में आगरा, फरुखाबाद, बरेली आदि मंडलों का किसान परेशान है।

मेरा अनुरोध है कि स्वामीनाथन समिति की रिपोर्ट को लागू किया जाए और किसान आयोग का गठन किया जाए। उस आयोग में किसान के परिवार का एक सदस्य हो। मैं आपसे यह भी कहना चाहता हूं कि आलू को मिड डे मील में शामिल किया जाए, जिससे आलू की ज्यादा खपत हो सके। आगरा में आलू का प्रोसेसिंग प्लांट लगना चाहिए, जिससे कि आलू की ज्यादा खपत हो सके। सरकार द्वारा आलू की खरीद की जाए। गुजरात सरकार आलू के किसानों के लिए सौ रुपये क्विंटल भाड़े में सब्सिडी दे रही है। इसी तरह से केवल उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के किसानों को भाड़े में सौ रुपये प्रति क्विंटल सब्सिडी मिलनी चाहिए।

माननीय अध्यक्ष :

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा,

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया,

श्री मुकेश राजपूत,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री मनोज राजोरिया,

डॉ. यशवंत सिंह और

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री बाबूलाल चौधरी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।